मूल तत्व अवलोकन शिविर

उद्देश्य:

- वस्तु: मध्यस्थ दर्शन के मुख्य अवधारणाओं पर क्रमबद्ध स्पष्टता
- मार्ग: अध्ययन, अभ्यास एवं वर्तमान जीने से सम्बंधित स्पष्टता

किन के लिए

- जो कम से कम कुछ पुस्तकों को पढ़ लिए हैं, या १२ वांग्मय को एक-दो बार पढ़ चुके हों

शिविर विधि

- मध्यस्थ दर्शन से संकलित पुस्तक ("मध्यस्थ दर्शन एक अवलोकन") को पूर्व से पढ़ कर आयेंगे
- १२ दिवस इस पर चर्चा एवं प्रश्न-उत्तर ('परिभाषा विधि', दर्शन सन्दर्भ सहित)
- ३ दिवस अध्ययन, अभ्यास, एवं जीने से सम्बंधित चर्चा - वर्तमान जीने में इन अवधारणाओं को क्रियान्वित करने पर गोष्ठी (श्री नागराजजी के साथ संवाद सन्दर्भ सहित)

अपेक्षित परिणाम

- मध्यस्थ दर्शन सहज सम्पूर्ण मुख्य वस्तु क्रमवत स्पष्ट (चित्रित) होने में सहायता
- जीने से सम्बंधित, अभ्यास, विधि में सहायता
- आगे के कड़ियों से जुड़ना:
  1. शास्त्राध्ययन में प्रौढ़ता ("श्रवण" निष्कर्ष हेतु)
  2. 'मनन' पूर्वक 'जीना' (अध्ययन, अभ्यास विधि क्रियान्वयन)

समन्वयन:

शिविर क्रम, कड़ियाँ

कड़ी	शिविर / अध्ययन श्रृंखला क्रम === >					
1	जीवन विद्या प्राथमिक परिचय शिविर	अध्ययन (४४) बिंदु परिचय शिविर				
2		अध्ययन (पठन) शिविर - १२ पुस्तक क्रम	**'मूल तत्व अवलोकन' शिविर**	'अध्ययन विधि परिचय' शिविर		
3				शास्त्राध्ययन: - पुनरावृत्ति, गोष्ठी > (तार्किक निष्कर्ष)	'अध्ययन, अभ्यास विधि विस्तृत' शिविर	
4					निष्कर्षों पर मनन एवं जीना अभ्यास	'मनन एवं अभ्यास विधि गोष्ठी/शिविर'

*सभी कड़ियों के लिए सहायक संकलन, शोध पत्र, उपलब्ध हैं, हो रहे हैं

१२ दिवस : मूल अध्ययन वस्तुओं का अवलोकन (कुल 200 बिंदु)

अध्याय 2: सहअस्तित्व रूपी अस्तित्व ..... **Error! Bookmark not defined.**

2.1 सहअस्तित्व, विकासक्रम, विकास, जागृतिक्रम, जागृति ..... **Error! Bookmark not defined.**

(A) सहअस्तित्व की पहचान ..... **Error! Bookmark not defined.**

(B) परमाणु में विकास क्रम ..... **Error! Bookmark not defined.**

(C) परमाणु में विकास (चैतन्य जीवन) ..... **Error! Bookmark not defined.**

(D) जीवन में जीवनीक्रम ..... **Error! Bookmark not defined.**

(E) जीवन में जागृतिक्रम ..... **Error! Bookmark not defined.**

(F) जीवन जागृति ..... **Error! Bookmark not defined.**

(G) अस्तित्व स्थिर है, विकास और जागृति निश्चित है ..... **Error! Bookmark not defined.**

(H) ज्ञान, ज्ञाता, ज्ञेय ..... **Error! Bookmark not defined.**

(I) मन:स्वस्थता का स्वरूप ..... **Error! Bookmark not defined.**

(J) अस्तित्व में 'परमाणु में विकास'- सारांश ..... **Error! Bookmark not defined.**

2.2 प्रकृति सहज चार अवस्था; रूप, गुण, स्वभाव, धर्म ..... **Error! Bookmark not defined.**

(A) रूप ..... **Error! Bookmark not defined.**

(B) गुण ..... **Error! Bookmark not defined.**

(C) स्वभाव ..... **Error! Bookmark not defined.**

(D) धर्म ..... **Error! Bookmark not defined.**

(E) मात्रा और उसका स्वरूप ..... **Error! Bookmark not defined.**

(F) अनुशंगीयता ..... **Error! Bookmark not defined.**

2.3 प्रकृति सहज अध्ययन ..... **Error! Bookmark not defined.**

(A) स्थिति – गति और वर्तमान ..... **Error! Bookmark not defined.**

(B) प्रकाशन, प्रतिबिम्ब, प्रभाव एवं पहचान ..... **Error! Bookmark not defined.**

(C) गुण ..... **Error! Bookmark not defined.**

(D) मध्यस्थ प्रभाव ..... **Error! Bookmark not defined.**

(E) काल ..... **Error! Bookmark not defined.**

(F) भौतिक क्रिया, रासायनिक क्रिया, जीवन क्रिया ..... **Error! Bookmark not defined.**

(G) व्यवस्था एवं समग्र व्यवस्था में भागीदारी ..... **Error! Bookmark not defined.**

(H) प्रकृति - सारांश ..... **Error! Bookmark not defined.**

अध्याय 3. चैतन्य "जीवन" ..... **Error! Bookmark not defined.**

3.1 मानव = शरीर + जीवन ..... **Error! Bookmark not defined.**

(A) मानव शरीर रचना ..... **Error! Bookmark not defined.**

(B) मानव में कल्पनाशीलता जीवनगत है ..... **Error! Bookmark not defined.**

(C) मानव संस्कारानुशंगी इकाई है ..... **Error! Bookmark not defined.**

(D) प्रत्येक मानव में 'चैतन्य जीवन' समान है ..... **Error! Bookmark not defined.**

(E) जीवन में जीने की आशा ..... **Error! Bookmark not defined.**

(F) देखना = समझना ..... **Error! Bookmark not defined.**

(G) केवल शरीर या केवल आत्मा के आधार पर मानव व्याख्यायित नहीं है ..... **Error! Bookmark not defined.**

(H) जीवन ही शरीर का द्दष्टा है ..... **Error! Bookmark not defined.**

(I) जीवन ही शरीर को 'जीवंत' बनाये रखता है ..... **Error! Bookmark not defined.**

3.2 जीवन के 10 क्रियाएं - परिचय ..... **Error! Bookmark not defined.**

(A) आस्वादन और चयन ..... **Error! Bookmark not defined.**

(B) तुलन और विश्लेषण ..... **Error! Bookmark not defined.**

(C) चिंतन और चित्रण ..... Error! Bookmark not defined.
(D) बोध और संकल्प ..... Error! Bookmark not defined.
(E) अनुभव और प्रामाणिकता ..... Error! Bookmark not defined.
3.3 जीवन में जागृतिक्रम: भ्रम, बंधन ..... Error! Bookmark not defined.
(A) भ्रम =आशा-विचार-इच्छा बंधन ..... Error! Bookmark not defined.
(B) भ्रमित मानव कार्यकलाप ..... Error! Bookmark not defined.
(C) 'बन्धन' एवं 'मुक्ति' सम्बंधित स्पष्टीकरण ..... Error! Bookmark not defined.
3.4 जीवन जागृति ..... Error! Bookmark not defined.
(A) जीवन ज्ञान के और संकेत ..... Error! Bookmark not defined.
(B) जागृत जीवन सहज क्रियाएं ..... Error! Bookmark not defined.
(C) परावर्तन – प्रत्यावर्तन ..... Error! Bookmark not defined.
(D) जागृति का स्वरूप ..... Error! Bookmark not defined.
(E) जागृति सहज मार्ग ..... Error! Bookmark not defined.
(F) जानने-मानने का तृप्ति बिंदु = अनुभव ..... Error! Bookmark not defined.
(G) मध्यस्थ क्रिया की महिमा ..... Error! Bookmark not defined.
(H) जागृति ही प्रमाणों का आधार है ..... Error! Bookmark not defined.
(O) अनुभव और जागृति की स्थिरता और निश्चयता ..... Error! Bookmark not defined.

अध्याय 4. मानवीयतापूर्ण आचरण ..... Error! Bookmark not defined.
4.1 मानवीय आचरण परिचय ..... Error! Bookmark not defined.
(A) मानवीयता पूर्ण आचरण की आवश्यकता क्यों ? ..... Error! Bookmark not defined.
(B) मानवीयतापूर्ण आचरण का आधार ..... Error! Bookmark not defined.
(C) मानवीयतापूर्ण आचरण का स्वरूप ..... Error! Bookmark not defined.
4.2 विवेक ..... Error! Bookmark not defined.
(A) बौद्धिक नियम का तात्पर्य ..... Error! Bookmark not defined.
(B) सामाजिक नियम = चरित्र ..... Error! Bookmark not defined.
(C) प्राकृतिक नियम ..... Error! Bookmark not defined.
4.3 मानवीय सम्बन्ध एवं मूल्य ..... Error! Bookmark not defined.
(A) मानव सम्बन्ध आधार ..... Error! Bookmark not defined.
(B) मानव सम्बन्धों के प्रकार ..... Error! Bookmark not defined.
1. पिता-माता एवं पुत्र-पुत्री संबंध ..... Error! Bookmark not defined.
2. भाई – बहिन ..... Error! Bookmark not defined.
3. मित्र – मित्र ..... Error! Bookmark not defined.
4. गुरू-शिष्य ..... Error! Bookmark not defined.
5. पति-पत्नी संबंध ..... Error! Bookmark not defined.
6. साथी (स्वामी) -सहयोगी (सेवक) ..... Error! Bookmark not defined.
7. व्यवस्था सम्बन्ध ..... Error! Bookmark not defined.
(C) सम्बन्ध सहज मूल्य ..... Error! Bookmark not defined.
1. विश्वास 2. सौजन्यता ..... Error! Bookmark not defined.
3. सम्मान 4. सौहाद्रता ..... Error! Bookmark not defined.
5. स्नेह 6. निष्ठा ..... Error! Bookmark not defined.
7. ममता 8. उदारता ..... Error! Bookmark not defined.
9. वात्सल्य 10. सहजता ..... Error! Bookmark not defined.
11. श्रद्धा 12. पूज्यता ..... Error! Bookmark not defined.
13. गौरव 14. सरलता ..... Error! Bookmark not defined.
15. कृतज्ञता 16. सौम्यता ..... Error! Bookmark not defined.
17. प्रेम 18. अनन्यता ..... Error! Bookmark not defined.

(D) सम्बन्ध एवं मूल्य सारांश ..... **Error! Bookmark not defined.**
(i) मानव सम्बन्ध एवं प्रयोजन ..... **Error! Bookmark not defined.**
(ii) जीने में सम्बन्ध एवं आचरण स्वरूप ..... **Error! Bookmark not defined.**
(iii) स्थापित मूल्य सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक हैं – शाश्वत हैं, निरंतर हैं ..... **Error! Bookmark not defined.**
(iv) सम्बन्ध में मूल्याङ्कन, दायित्व, कर्तव्य निर्वाह ..... **Error! Bookmark not defined.**
(v) जागृति पूर्वक ही सम्बन्ध निर्वाह हैं ..... **Error! Bookmark not defined.**
(E) वस्तु मूल्य ..... **Error! Bookmark not defined.**
4.4 नैतिकता ..... **Error! Bookmark not defined.**
(A) नैतिकता – परिचय ..... **Error! Bookmark not defined.**
(B) मानव धर्म-नीति स्वरूप ..... **Error! Bookmark not defined.**
(C) मानव राज्य-नीति ..... **Error! Bookmark not defined.**
बौद्धिक क्षेत्र ..... **Error! Bookmark not defined.**
सांस्कृतिक (सामाजिक) क्षेत्र ..... **Error! Bookmark not defined.**
प्राकृतिक क्षेत्र ..... **Error! Bookmark not defined.**
(D) नैतिकता – सारांश ..... **Error! Bookmark not defined.**
4.5 चरित्र ..... **Error! Bookmark not defined.**
4.6 पञ्च कोटि के मानवः दृष्टि, विषय, स्वभाव; मानव मूल्य ..... **Error! Bookmark not defined.**
(A) अमानवीयता ..... **Error! Bookmark not defined.**
अमानवीय दृष्टिः ..... **Error! Bookmark not defined.**
अमानवीय विषयः ..... **Error! Bookmark not defined.**
अमानवीय स्वभावः ..... **Error! Bookmark not defined.**
(B) मानवीयता ..... **Error! Bookmark not defined.**
मानवीय दृष्टिः ..... **Error! Bookmark not defined.**
मानवीय विषयः ..... **Error! Bookmark not defined.**
मानवीय स्वभावः ..... **Error! Bookmark not defined.**
(C) अतिमानवीयता ..... **Error! Bookmark not defined.**
अतिमानवीय दृष्टिः ..... **Error! Bookmark not defined.**
अतिमानवीय विषयः ..... **Error! Bookmark not defined.**
अतिमानवीय स्वभावः ..... **Error! Bookmark not defined.**
(D) छः मानव मूल्य, स्वभाव ..... **Error! Bookmark not defined.**
धीरता ..... **Error! Bookmark not defined.**
वीरता ..... **Error! Bookmark not defined.**
उदारता ..... **Error! Bookmark not defined.**
दया ..... **Error! Bookmark not defined.**
कृपा ..... **Error! Bookmark not defined.**
करुणा ..... **Error! Bookmark not defined.**
(E) जागृति एवं आचरण ..... **Error! Bookmark not defined.**
4.7 जीवन मूल्य ..... **Error! Bookmark not defined.**
4.8 विज्ञान ..... **Error! Bookmark not defined.**
(A) प्रचलितः विज्ञान एवं शिक्षा ..... **Error! Bookmark not defined.**
(B) सहअस्तित्ववादी विज्ञान का दृष्टि ..... **Error! Bookmark not defined.**
विज्ञान - परिभाषा ..... **Error! Bookmark not defined.**
विवेक सम्मत विज्ञान, विज्ञान सम्मत विवेक ..... **Error! Bookmark not defined.**
4.9 मानवीयता सहज प्रमाण ..... **Error! Bookmark not defined.**

अध्याय 5.0: परिवार व्यवस्था में जीना ..... **Error! Bookmark not defined.**
5.1 विगत का विकल्प ..... **Error! Bookmark not defined.**
5.2 मानवीय परिवार – परिचय ..... **Error! Bookmark not defined.**
5.3 परिवार में 'व्यवहार' ..... **Error! Bookmark not defined.**
5.4 परिवार में दाम्पत्य सम्बन्ध ..... **Error! Bookmark not defined.**
5.5 परिवार में संतुलन ..... **Error! Bookmark not defined.**
5.6 जागृति पूर्वक ही परिवार संतुलित है ..... **Error! Bookmark not defined.**
5.7 सम्पूर्ण मानव परिवार ही समाज का स्वरूप है ..... **Error! Bookmark not defined.**
5.8 'परिवार' एवं 'व्यवस्था' अविभाज्य हैं ..... **Error! Bookmark not defined.**
5.9 परिवार में जीना, परिवार व्यवस्था में भागीदारी ..... **Error! Bookmark not defined.**
(i) स्वास्थ्य संयम व्यवस्था में भागीदारी ..... **Error! Bookmark not defined.**
(ii) परिवार में न्याय व्यवस्था में भागीदारी ..... **Error! Bookmark not defined.**
(iii) परिवार में उत्पादन व्यवस्था में भागीदारी ..... **Error! Bookmark not defined.**
(iv) विनिमय व्यवस्था में भागीदारी ..... **Error! Bookmark not defined.**
5.10 परिवार सहज उत्पादन का महत्व ..... **Error! Bookmark not defined.**
(i) परिवार में उत्पादन की अनिवार्यता ..... **Error! Bookmark not defined.**
(ii) परिवार में समृद्धि ..... **Error! Bookmark not defined.**
(iii) विधि सम्मत संपत्ति ..... **Error! Bookmark not defined.**
(iv) परिवार मूलक अर्थशास्त्र ..... **Error! Bookmark not defined.**
5.11 परिवार में संतुलन से समाज में संतुलन ..... **Error! Bookmark not defined.**

अध्याय 6: मानवीय परम्परा – अखंड समाज, सार्वभौम व्यवस्था ..... **Error! Bookmark not defined.**
6.1 प्रचलित समाज परिस्थिति ..... **Error! Bookmark not defined.**
(i) वर्तमान शिक्षा परम्पराएं: समीक्षा ..... **Error! Bookmark not defined.**
(ii) समाज में प्रचलित मानसिकता: ..... **Error! Bookmark not defined.**
6.2 अखंडता सार्वभौमता – आवश्यकता ..... **Error! Bookmark not defined.**
6.3 अखंड समाज, सार्वभौम व्यवस्था: अवधारणा ..... **Error! Bookmark not defined.**
6.4 धर्म, समाज और राज्य अविभाज्य हैं ..... **Error! Bookmark not defined.**
धर्म और राज्य का मूल रूप ..... **Error! Bookmark not defined.**
6.5 धर्मनैतिक व्यवस्था ..... **Error! Bookmark not defined.**
(A) अवधारणा ..... **Error! Bookmark not defined.**
(B) संस्कृति ..... **Error! Bookmark not defined.**
(C) सभ्यता ..... **Error! Bookmark not defined.**
6.6 राज्यनैतिक व्यवस्था ..... **Error! Bookmark not defined.**
(A) अवधारणा ..... **Error! Bookmark not defined.**
(B) विधि ..... **Error! Bookmark not defined.**
विधि सहज नीति ..... **Error! Bookmark not defined.**
(C) दश सोपनीय व्यवस्था ..... **Error! Bookmark not defined.**
(1) मानवीय व्यवस्था स्वरूप ..... **Error! Bookmark not defined.**
(2) शिक्षा व्यवस्था ..... **Error! Bookmark not defined.**
(3) विनिमय व्यवस्था - श्रम मूल्य, श्रम विनिमय सिद्धांत ..... **Error! Bookmark not defined.**
6.7 मानवीय संविधान का धारक-वाहकता ..... **Error! Bookmark not defined.**
(A) मानवीय संविधान की आवश्यकता ..... **Error! Bookmark not defined.**
(B) मानवीय संविधान का स्वरूप ..... **Error! Bookmark not defined.**
(C) स्वत्व-स्वतंत्रता-स्वराज्य ..... **Error! Bookmark not defined.**
6.8 अखंडता सहज मानव में समानता के बिंदु ..... **Error! Bookmark not defined.**
6.9 जागृति पूर्वक ही समाज है ..... **Error! Bookmark not defined.**

6.10 जागृत मानव परम्परा.....Error! Bookmark not defined.

अध्याय 7: सारांश.....Error! Bookmark not defined.
7.1 'विकल्प' की अनिवार्यता.....Error! Bookmark not defined.
(A) आदर्शवादी परिणाम.....Error! Bookmark not defined.
(B) भौतिकवाद के अनुसार.....Error! Bookmark not defined.
(C) 'विकल्प' = सहअस्तित्ववाद.....Error! Bookmark not defined.
7.2 मध्यस्थ दर्शन - आधार बिंदु.....Error! Bookmark not defined.
(A) अस्तित्व ही सत्य.....Error! Bookmark not defined.
(B) अस्तित्व में परमाणु का विकास, जीवन.....Error! Bookmark not defined.
(C) मानवीयतापूर्ण आचरण.....Error! Bookmark not defined.
(D) मानव में जागृति, जीवन जागृति.....Error! Bookmark not defined.
(E) परिवार व्यवस्था एवं सार्वभौम मानवीय व्यवस्था में जीना.....Error! Bookmark not defined.
7.3 आत्मा, परमात्मा, अस्तित्व सम्बन्धी पूर्ववर्ती मान्यता.....Error! Bookmark not defined.
7.4 जागृति पूर्वक ही मानव सुखी होता है.....Error! Bookmark not defined.

३ दिवस: अध्ययन,अभ्यास,जीना

अध्याय 8: वाङ्मय एवं अध्ययन.....Error! Bookmark not defined.
8.1 मध्यस्थ दर्शन वाङ्मय.....Error! Bookmark not defined.
8.2 अध्ययन-अभ्यास विधि.....Error! Bookmark not defined.
(A) अध्ययन परिभाषा, श्रवण,मनन,साक्षात्कार .....Error! Bookmark not defined.
(B) अध्ययन = शोध = जांचना.....Error! Bookmark not defined.
(C) भाषा से समझ, समझ से अनुभव.....Error! Bookmark not defined.
(D) अध्ययन के लिए अभ्यास.....Error! Bookmark not defined.
(i) कर्म.....Error! Bookmark not defined.
(ii) उपासना.....Error! Bookmark not defined.
(iii) अभ्यास: शास्त्र, व्यवहार, कर्म, चिंतन.....Error! Bookmark not defined.
(iv) जीवन में गुणात्मक परिवर्तन क्रम.....Error! Bookmark not defined.
(E) अध्ययन वस्तु.....Error! Bookmark not defined.
(F) अनुभवगामी - अनुभवमूलक विधि स्पष्टता.....Error! Bookmark not defined.
(G) 'अध्ययन' होने का तात्पर्य = 'वस्तु' बोध होना = अवधारणा.....Error! Bookmark not defined.
(H) जागृत परम्परा की आवश्यकता.....Error! Bookmark not defined.

अभ्यास के ४ अंगों पर प्रारंभिक स्पष्टता, जीने से सम्बंधित स्पष्टता

- "विद्यार्थी, भौतिक, गृहस्थ, सामाजिक जीवन" में श्रवण > मनन क्रम में:
  - शास्त्राभ्यास (विचाराभ्यास) > विद्याअभ्यास (चिन्तनाभ्यास),
  - व्यवहाराभ्यास,
  - कर्माभ्यास,
  - समग्र व्यवस्था में भागीदारी अभ्यास स्पष्टता